वित्त मंत्री ने स्टार्टअप क्षेत्र के साथ की बैठक

बाजार की वर्तमान स्थितियों, निवेश धाराओं और वित्तीय सुधारों पर विस्तृत चर्चा हुई

नई दिल्ली, 18 नवंबर. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बजट 2026-27 की तैयारी के लिए पूंजी बाजार और स्टार्टअप सेक्टर के हितधारकों के साथ दो अलग-अलग बैठकें कीं. ये बैठकें वित्त मंत्रालय के अनुसार चौथी और पांचवीं बजट पूर्व बैठकें थीं.

पूंजी बाजार से हुई बैठक में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन, आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे. बैठक में बाजार की वर्तमान स्थितियों, निवेश धाराओं और वित्तीय सुधारों पर विस्तृत चर्चा हुई. दूसरी बैठक में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के प्रतिनिधियों से सीतारमण ने विचार-विमर्श किया. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया भी इस बैठक में शामिल थे. बैठक में स्टार्टअप सेक्टर की चुनौतियों, वित्तीय आवश्यकताओं और नीति सुधारों पर ध्यान दिया गया. इन बैठकों का उद्देश्य बजट 2026-27 को तैयार करते समय पूंजी बाजार और स्टार्टअप सेक्टर के हितों और अपेक्षाओं को ध्यान में रखना है.

प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्री को अपने सुझाव और चिंताएं बताईं, ताकि बजट में पूंजी बाजार को बढ़ावा देने के उपाय शामिल किए जा सकें. दूसरी बैठक स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आयोजित की गई, जिसमें सचिव अमरदीप सिंह भाटिया पस्थित थे. इस बैठक में स्टार्टअप्स की वित्तीय आवश्यकताओं, नियामक चुनौतियों नवाचार को प्रोत्साहित करने वाले उपायों पर विचार विमर्श किया गया.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को 2026-27 के बजट की तैयारियों के सिलसिले में पूंजी बाजार और स्टार्टअप क्षेत्र के हितधारकों के साथ दो महत्वपूर्ण बैठकें कीं. ये बैठकें वित्त मंत्रालय की सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार इस वर्ष की चौथी और पांचवीं बजट पूर्व बैठकें थीं. पूंजी बाजार के प्रतिनिधियों के साथ हुई पहली बैठक में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, मुख्य आर्थिक सलाहकार (ष्टश्व) वी. अनंत नागेश्वरन, आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे. बैठक में बाजार के वर्तमान रुझानों, निवेश धाराओं, नियमों और वित्तीय सुधारों पर चर्चा की गई.

रुपया सात पैसे मजबूत

मुंबई, 18 नवंबर. निजी एवं सार्वजनिक बैंकों की डॉलर बिकवाली से सोमवार को रुपया सात पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 88.59 रुपये के भाव बोला गया. भारतीय मुद्रा लगातार दूसरे दिन बढ़त में बंद हुई है. पिछले कारोबारी दिवस पर यह 4.75 पैसे की मजबूती के साथ 88.66 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी. रुपये पर आज शुरू में दबाव देखा गया. यह चार पैसे टूटकर 88.70 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 88.73 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गया. हालांकि बाद में रुपये ने वापसी की और बीच कारोबार में 88.57 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुई. कारोबारियों ने बताया कि निजी एवं सार्वजनिक बैंकों के डॉलर की बिकवाली से भारतीय मुद्रा को मजूबती मिली है. घरेलू शेयर बाजारों में तेजी ने भी इसे समर्थन दिया.

निवेश से रोजगार और नवाचार को लाभ

द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जल्द सकारात्मक घोषणा

प्रत्येक पक्ष को संतुलित लाभ सुनिश्चित करना आवश्यक : गोयल

नई दिल्ली, 18 नवंबर. वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जल्द सकारात्मक घोषणा हो सकती है. उन्होंने आश्वस्त किया कि जैसे ही समझौता न्यायसंगत, संतुलित और दोनों पक्षों के लिए लाभकारी होगा, इसे सार्वजनिक किया जाएगा.

गोयल ने विशेष रूप से किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा पर जोर दिया. गोयल ने इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित भारत-अमेरिका आर्थिक शिखर सम्मेलन में बताया कि मार्च से इस समझौते पर छह दौर की बातचीत हो चुकी है. उन्होंने कहा कि समझौता प्रक्रिया में प्रत्येक पक्ष को संतुलित लाभ सुनिश्चित करना आवश्यक है.

मंत्री ने यह भी कहा कि विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रक्रियाओं को तेज, सुचारू और अधिक कुशल बनाया जाएगा. इससे रोजगार सृजन, नई प्रौद्योगिकियों का विकास, अनुसंधान एवं नवाचार और रक्षा विनिर्माण को बल मिलेगा.

गोयल ने कहा कि समझौता तभी सार्वजनिक किया जाएगा जब यह न्यायसंगत, संतुलित और दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लाभकारी होगा. उन्होंने विशेष रूप से यह स्पष्ट किया कि भारत समझौते में किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा करेगा. भारत और अमेरिका मार्च से इस व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं. अब तक छह दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है. गोयल ने इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित भारत-अमेरिका आर्थिक शिखर सम्मेलन में बताया कि व्यापार समझौते के लिए यह एक सतत प्रक्रिया है. उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत को सुनिश्चित करना होगा कि समझौते के नियम किसानों, मछुआरों और लघु उद्योगों के हितों की रक्षा करें.

सोने का भाव में आई गिरावट

24 कैरेट सोने की कीमत 1,25,300 प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली, 18 नवंबर. सोने के बाजार में हलचल जारी है. मध्य प्रदेश में 24 कैरेट सोने की कीमत कल 1,25,300 प्रति 10 ग्राम है, जो पिछले 10 दिनों में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्शाती है. वहीं, भोपाल में आज 24 कैरेट सोने का भाव 1,27,900 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है.

दिल्ली में सोने की कीमत 1,25,560 प्रति 10 ग्राम है. हालांकि मध्य प्रदेश में हल्की गिरावट देखने को मिली है, लेकिन राजधानी भोपाल और दिल्ली में भाव में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है. घरेलू बाजार में यह उतार-चढ़ाव मांग और निवेश की गतिविधियों पर आधारित है. त्योहारों और शादी समारोहों के कारण सोने और चांदी की खरीदारी बढ़ी है. वहीं, भारत के रत्न और आभूषण निर्यात में 31 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विदेशों में मांग कमजोर रही. कुछ मीडिया रिपोर्टों में भी सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का संकेत मिला है. निवेशक और ग्राहक भाव में स्थिरता की प्रतीक्षा कर रहे हैं और खरीदारी सोच-समझ कर कर रहे हैं. सोने के बाजार में पिछले कुछ दिनों से हलचल देखने को मिल रही है. मध्य प्रदेश में आज 24 कैरेट सोने की कीमत 1,25,300 प्रति 10

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट

नई दिल्ली, 18 नवंबर. भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ. बीएसई सेंसेक्स 277.93 अंक या 0.33 प्रतिशत घटकर 84,673.02 पर और एनएसई निफ्टी 103.40 अंक या 0.40 प्रतिशत घटकर 25,910.05 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान सेंसेक्स 392.59 अंक या 0.46 प्रतिशत गिरकर 84,558.36 पर आ गया था. आईटी, धातु और पूंजीगत सामान कंपनियों में मुनाफावसूली के कारण छह दिन से जारी तेजी का सिलसिला टूट गया. वैश्विक बाजारों में कमजोरी और अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से निवेशकों का रुख नकारात्मक रहा. सेंसेक्स की प्रमुख कंपनियों में टेक महिंद्रा, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, अडानी पोर्ट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर पिछड़े.

भारत ने अमेरिका से किया एलपीजी का करार

सालाना 22 लाख टन द्रवित पेट्रोलियम गैस के आयात पर समझौता

नयी दिल्ली, 18 नवंबर. भारतीय तेल विपणन कंपनियों ने अमेरिका से सालाना 22 लाख टन द्रवित पेट्रोलियम गैस के आयात के लिए करार किया है. अमेरिका से बड़ी मात्रा में एलपीजी आयात के लिए पहली बार कोई समझौता किया गया है. इसके तहत सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियां साल 2026 में अमेरिकी खाड़ी से तेल का आयात करेंगी.

यह भारत के वार्षिक एलपीजी आयात का लगभग 10 प्रतिशत है. उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन लंबे समय से अमेरिकी एलपीजी के लिए भारतीय बाजार खोलने की मांग कर रहा था. अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से पेट्रोलियम आयात पूरी तरह बंद कर दे और अमेरिका से पेट्रोलियम आयात बढ़ाये. केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए इस समझौते को ऐतिहासिक बताया. उन्होंने कहा कि भारत अपने स्रोतों के विकल्प में विविधता लाकर किफायती और विश्वसनीय एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है.

इसी प्रयास के तहत, तीनों सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के अधिकारियों की एक टीम ने गत 21 से 24 जुलाई तक अमेरिका का दौरा किया और वहां के प्रमुख उत्पादकों के साथ चर्चा की.

यथार्थ से कटे एलएलएम बेअसर होंगे : यान लेकन

नई दिल्ली, 18 नवंबर. दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दौड़ तेज़ है. हर बड़ी टेक कंपनी अरबों रुपये लार्ज लैंग्वेज मॉडल यानी एलएलएम पर खर्च कर रही है- वे मॉडल जो और एलएलएम जैसे प्रोडक्ट्स को ताकत देते हैं. लेकिन इस तेज़ रफ्तार रेस में अब एक ऐसी आवाज़ गूंज रही है, जिसे नजरअंदाज़ करना मुश्किल है.

यह आवाज़ है यान लेकन की- वही वैज्ञानिक जिन्होंने एआई की मूलभूत सोच को नई दिशा दी और मेटा के एआई रिसर्च को वर्षों तक नेतृत्व दिया. लेकन का दावा है कि दुनिया गलत दिशा में दौड़ रही है. एलएलएम शानदार हैं, उपयोगी हैं, पर ये मानव-स्तर की बुद्धिमत्ता तक पहुँचने का रास्ता नहीं खोलेंगे. उनका कहना है कि सिर्फ इंटरनेट टेक्स्ट पर सीखने वाला ढ्ढ सतह को ही छू पाता है, असली समझ नहीं. और एलएलएम की चमक इतनी तेज़ है कि बाकी महत्वपूर्ण शोध, खासकर 'वर्ल्ड मॉडल' वाले रास्ते, दबकर रह गए हैं. ब्रुकलिन में हुए एक कार्यक्रम में उन्होंने खुलकर कहा कि एआई की अगली क्रांति के लिए हमें वापस सोचने की ज़रूरत है—क्योंकि आज की सबसे लोकप्रिय दिशा ही शायद असली मंज़िल से दूर ले जा रही है. दुनिया इस समय एक अनोखे मोड़ पर खड़ी है. एक ओर टेक कंपनियां लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स में भारी निवेश कर रही हैं, दूसरी ओर इस दिशा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं.

भारतीय स्पेस सेक्टर को सिडबी का बड़ा सहारा

सिडबी अंतरिक्ष वेंचर फंड को 1005 करोड़ की बड़ी पूंजी

सिडबी वेंचर कैपिटल का स्पेस फंड हुआ मजबूत

मुंबई, 18 नवंबर. सिडबी के उद्यम पूंजीकोष सिडबी वेंचर कैपिटल लिमिटेड ने सोमवार को बताया कि उसके अंतरिक्ष वेंचर कैपिटल फंड के लिए 1,005 करोड़ रुपये की पूंजी की व्यवस्था हो गयी है.

एसवीसीएल की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 1600 करोड़ रुपये के कोष के लक्ष्य के साथ शुरू किये एक एवीसीएफ के लिए इन-स्पेसई से प्राप्त 1,000 करोड़ रुपये प्राप्त हुए है. यह कोष 10 वर्ष की अवधि के साथ श्रेणी दो के वैकल्पिक निवेश कोष के रूप में पंजीकृत है. एवीसीएफ के माध्यम से देश में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र के उद्यमों के प्रारंभिक और विकास के चरणों में निवेश किया जाएगा.

यह पहल, एसवीसीएल का 12वाँ उद्यम पूंजी कोष है और इसे देश में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित अर्थव्यवस्था को 2033 तक 44 अरब डॉलर तक पहुंचाने के राष्ट्रीय लक्ष्य में मदद के लिए शुरू किया गया है. इसमें एंकर निवेशक के रूप में इन-स्पेस के योगदान के लिए समझौते के बाद इस कोष के लिए 1000 करोड़ रुपये की पूंजी की व्यवस्था हो गयी है. अब ग्रीन-शू विकल्प के तहत संस्थागत और संप्रभु निवेशकों सहित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों से अतिरिक्त निवेश के मसझौते किये जाएंगे.

मांझी ने मेले में खादी मंडपों का किया उद्घाटन

नयी दिल्ली, 18 नवंबर. केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री मांझी ने यहां भारत मंडपम में चल रहे 44वें भारतीय अतंराष्ट्रीय व्यापार मेले में एमएसएमई, खदी ग्रामोद्योग आयोगऔर कॉयर मंडपों का एनएसएसएच मंडप का उद्घाटन किया ये मंडप हाल संख्या 6 और 5 में खोले गये हैं. इस अवसर पर एमएसएमई राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार, एमएसएमई मंत्रालय, विकास आयुक्त कार्यालय, राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे.

चीन के 72 घंटे वर्क से भारत को सीखना होगा

भारत को तेजी से विकसित करने हेतु युवाओं को अधिक घंटे काम करना होगा : मूर्ति

नई दिल्ली, 18 नवंबर. भारत में काम के घंटे और उत्पादकता को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है. आईटी उद्योग के दिग्गज और इन्फोसिस के सह-संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति ने हाल ही में ऐसा बयान दिया है, जिसने युवाओं, कॉरपोरेट जगत और सोशल मीडिया में नई चर्चा छेड़ दी है.

मूर्ति का कहना है कि अगर भारत को तेजी से विकसित राष्ट्र बनना है तो युवाओं को अधिक घंटे काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए. इसके समर्थन में उन्होंने चीन के बहुचर्चित '9-9-6' वर्क मॉडल का उदाहरण दिया—एक ऐसा मॉडल जिसमें कर्मचारी सप्ताह में 6 दिन, सुबह 9 से रात 9 बजे तक काम करते हैं, यानी कुल 72 घंटे.

मूर्ति पहले भी 70 घंटे काम करने की सलाह देकर विवादों में रहे हैं, लेकिन इस बार उन्होंने चीन के आर्थिक उभार को आधार बनाते हुए दलील दी कि कड़ी मेहनत और अनुशासन ही विकास की असली कुंजी है. हालांकि दूसरी तरफ आलोचक कहते हैं कि यह सोच कार्य-जीवन संतुलन को कमजोर करती है और कर्मचारियों पर मानसिक दबाव बढ़ाती है.

वित्तीय संस्थानों में एजेंटिक एआई लागू करने को बना त्रिकूट गठबंधन

नई दिल्ली, 18 नवंबर. कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अगले चरण 'एजेंटिक एआई' को लेकर अबतक की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारियों में से एक आज सामने आई है. डिसेक्ट एआई, एचसीएलटेक और माइक्रोसॉफ्ट ने मिलकर घोषणा की है कि वे बैंकों और वित्तीय सेवा प्रदाताओं को स्वायत्त एआई अपनाने में मार्गदर्शन देंगे. एजेंटिक एआई, पारंपरिक एआई से एक कदम आगे है—यह सिर्फ आदेशों का पालन नहीं करता, बल्कि खुद लक्ष्य तय कर सकता है.

समाचार विशेष

खिसकने वाली है सम्राट चौधरी की कुर्सी ?

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद सरकार बनाने की कोशिशें तेज हो गई हैं. चुनाव से पहले भाजपा और जदयू ने बराबर-बराबर सीटों (101) पर उम्मीदवार उतारने का फैसला किया था. नतीजतन दोनों दलों को बराबर-बराबर मंत्री पद मिल सकते हैं. लेकिन एक आदमी को झटका भी लग सकता है.

सरकार गठन के फॉर्मूले के अनुसार, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को दो, जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को एक और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को एक मंत्री पद मिल सकता है.

सूत्रों का कहना है कि एनडीए के घटक दलों के बीच सरकार गठन को लेकर चर्चा चल रही है और कई पूर्व मंत्रियों के विभागों पर भी विचार किया जा रहा है. 243 सीटों वाली विधानसभा में अकेले भाजपा ने 89 सीटें जीतीं. दूसरे स्थान पर रही जदयू ने 85 सीटें जीतीं. लोजपा (रालोद) ने 19, हम (एस) ने पांच और राजद ने चार सीटें जीतीं. 2020 में भाजपा ने 74 और जदयू ने 43 सीटें जीतीं. सरकार में भाजपा के 22 और जदयू के 12 मंत्री थे.

कब होगा नई सरकार का शपथ ग्रहण?- वर्तमान बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है. इसलिए शपथ ग्रहण समारोह बुधवार या गुरुवार को होने की उम्मीद है. भाजपा सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को बिहार चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सरकार गठन पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और महासचिव बीएल संतोष के बीच एक संक्षिप्त बैठक हुई.

नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह गांधी मैदान

खबरों के अनुसार, नीतीश कुमार 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं. हालांकि उपमुख्यमंत्रियों के बारे में अभी कोई फैसला नहीं हुआ है. वर्तमान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और उनके नामांकन पत्र में अनियमितताओं के बाद उन्हें उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया जाएगा या नहीं, इस पर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है. गौरतलब है कि बिहार की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह गांधी मैदान में हो सकता है. नीतीश कुमार ने 2015 में गांधी मैदान में शपथ ली थी. 17 से 20 नवंबर तक गांधी मैदान को आम जनता के लिए बंद कर दिया गया है.

वो बीजेपी नेता जिसने आजम को भिजवाया जेल

बदल डाली रामपुर की राजनीति

रामपुर. भारतीय जनता पार्टी के नेता आकाश सक्सेना ने पहले समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां के खिलाफ लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और अब सियासत के मैदान में भी जीत दर्ज कर अपना वर्चस्व साबित कर दिया है.

उनके प्रयासों से आजम खां और उनके परिवार की मुश्किलें लगातार बढ़ीं और अब एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खां व उनके बेटे अब्दुल्ला को सात साल की सजा सुनाकर मामला और गंभीर कर दिया है.

आकाश सक्सेना के पिता शिव बहादुर सक्सेना रामपुर की स्वार विधानसभा सीट से लगातार चार बार भाजपा के विधायक रहे. वे कल्याण सिंह सरकार में मंत्री भी रहे. इसी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए आकाश सक्सेना सक्रिय राजनीति में आए. साल 2017 में शिव बहादुर सक्सेना ने रामपुर शहर सीट से आजम खां के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए. इसके बाद 2022 में आकाश सक्सेना भाजपा प्रत्याशी बने और आजम खां के खिलाफ चुनाव लड़ा, किंतु उन्हें करीब 55 हजार वोटों से हार झेलनी पड़ी.

साल 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आकाश सक्सेना ने आजम खां, उनकी पत्नी तजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्ला के खिलाफ फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने का मुकदमा दर्ज कराया. यहीं से आजम खां और उनके परिवार की समस्याएं बढ़नी शुरू हो गईं. फर्जी प्रमाण पत्र मामले में हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब्दुल्ला आजम की विधायकी चली गई. इसके बाद भड़काऊ भाषण मामले में आजम खां को तीन साल की सजा हुई.

सियासत में पहली बड़ी जीत

उपचुनाव के दौरान आजम खां ने मैदान नहीं संभाला, लेकिन उनकी जगह उनके करीबी आसिम राजा को चुनाव लड़ाया गया. इस मुकाबले में आकाश सक्सेना ने आजम खां के गढ़ माने जाने वाले रामपुर शहर में शानदार जीत दर्ज की. यह सिर्फ चुनावी जीत नहीं थी, बल्कि आजम खां के लम्बे राजनीतिक प्रभाव पर बड़ा आघात था.

रोहिणी मामले में महिला आयोग की एंट्री

पटना. आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य से जुड़ा विवाद लगातार गहराता जा रहा है. पारिवारिक मतभेद अब राजनीतिक रंग ले चुका है, जिस पर विभिन्न दलों के नेताओं ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे अनुचित करार दिया है.

इसी बीच, मामला अब राज्य महिला आयोग के संज्ञान में भी आ गया है. महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा मिश्रा ने कहा कि रोहिणी आचार्य का मुद्दा सिर्फ पारिवारिक विवाद नहीं, बल्कि उत्पीड़न से जुड़ा मामला भी प्रतीत होता है. उन्होंने बताया कि रोहिणी के कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें वह अन्याय की बात कर रही हैं. उनके अनुसार, रोहिणी कह रही हैं कि उनका मायका छूट गया है. किसी महिला के लिए मायके से दूरी बेहद दर्दनाक होती है. उनके पोस्ट और वीडियो में उनका दर्द साफ दिखाई दे रहा है, लेकिन परिवार इसे समझने में असफल दिख रहा है.

विशेष | **बिहार की हार पर चिल मोड़ में कांग्रेस ; नेता के बयान से सियासतदान हैरान**

चिंता क्यों करनी, हुआ सो हुआ !

नई दिल्ली. बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और महागठबंधन की करारी हार हुई है, और पार्टी 2010 के बाद अपने सबसे खराब प्रदर्शन पर सिमट गई है. इस हार पर जहां दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं और नतीजों को 'अविश्वसनीय' करार दिया है, वहीं पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का बयान बिल्कुल अलग ही कहानी कह रहा है. कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार इस हार पर 'चिल' मोड में नजर आए और उन्होंने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं, जो हुआ सो हुआ.

यह बयान उस वक्त आया है जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी हार पर गंभीर मंथन कर रहे हैं. एक बातटित में डीके शिवकुमार ने बिहार के नतीजों पर कहा, नतीजे आ गए हैं. चिंता क्यों? छोड़ो. जो हुआ सो हुआ. हमारे नेता पहले ही इस पर अपनी राय दे चुके हैं. यह प्रतिक्रिया कांग्रेस के आधिकारिक रुख से बिल्कुल मेल नहीं खाती, जो हार का ठीकरा 'वोट चोरी' और चुनाव आयोग पर फोड़ रही है.

'नतीजे अविश्वसनीय हैं, सबूत देंगे'- एक तरफ शिवकुमार का 'चिल' बयान है, तो दूसरी तरफ दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने हार के बाद लंबी मंत्रणा की. इस बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, अजय माकन और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू शामिल हुए. पार्टी ने बिहार में 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था और केवल छह सीटें ही जीत पाईं. यह 2010 (जब 4 सीटें जीती थीं) के बाद पार्टी का सबसे घटिया प्रदर्शन है.

दिल्ली में अलग ही सुर- बैठक के बाद राहुल गांधी ने तो मीडिया से बात नहीं की, लेकिन केसी वेणुगोपाल ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि पूरी चुनाव प्रक्रिया संदिग्ध है और इसमें कोई पारदर्शिता नहीं है. वेणुगोपाल ने कहा, बिहार चुनाव के ये नतीजे हम सभी के लिए अविश्वसनीय हैं. सिर्फ कांग्रेस ही नहीं, हमारे गठबंधन सहयोगी भी इस पर विश्वास नहीं कर रहे हैं. उन्होंने दावा किया कि पार्टी जल्द ही परिणामों का विश्लेषण करेगी और अगले कुछ हफ्तों में ठोस सबूत भी पेश करेगी.